एआइ सिटी खोलेगा निवेश और विकास की राह

अमौसी क्षेत्र में होगी विकसित, एआइ सिटी के लिए ई टेंडर एक कंसल्टेंसी फर्म तय

विवेक राव • जागरण

लखनऊ: राजधानी के अमौसी क्षेत्र में 70 एकड़ में विकसित होने वाली एआइ सिटी जल्द ही शहर में डिजिटल क्रांति का नया अध्याय जोड़ेगी। सरकार की यह महत्वाकांक्षी योजना नवाचार, रोजगार और निवेश के नए अवसर पैदा करने के साथ-साथ तकनीकी विकास को भी प्रोत्साहित करेगी। राज्य सरकार ने हाल ही में इसके लिए बजट का प्रविधान किया था। अब तकनीकी बिड के साथ आगे की कार्यवाही शुरू हो चुकी है। यह पहल स्मार्ट सिटी योजनाओं और डिजिटल इंडिया मिशन के अनुरूप है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के प्रसार और विकास में इससे गति मिलेगी।

उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रानिक्स कार्पोरेशन लिमिटेड (यूपी ईसीएल) ने एआइ सिटी योजना के कुशल क्रियान्वयन के लिए एक प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (पीएमयू) की स्थापना का निर्णय लिया है। पीएमयू का मुख्य उद्देश्य एआइ सिटी के निर्माण की योजना तैयार करना, विकास प्रक्रिया का प्रबंधन करना और निवेश को आकर्षित करना है। इस संदर्भ में, कंसल्टेंसी फर्म के चयन के लिए जारी निविदा प्रक्रिया में दो कंपनियां द मणिपुर ट्राइबल डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड और केपीएमजी एडवाइजरी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने हिस्सा लिया। 11 मार्च को तकनीकी मानदंडों के आधार पर सिर्फ केपीएमजी एडवाइजरी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को अर्हता प्राप्त हुई है।

एआइ सिटी लखनऊ

डिजिटल क्रांति का नया केंद्र होगा लखनऊ

एआइ सिटी लखनऊ न केवल शहर का नाम रोशन करेगी, बल्कि उत्तर प्रदेश को डिजिटल क्रांति का नया केंद्र प्रदान करते हुए राज्य के समग्र आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार, एआइ सिटी में स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, इंटरनेट आफ थिंग्स (आइओटी) आधारित सेंसर, डेटा कलेक्शन व एनालिटिक्स, स्वचालित ट्रैफिक नियंत्रण, ऊर्जा और जल आपूर्ति प्रबंधन एवं कचरा प्रबंधन जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही, डिजिटल गवर्नेंस, साइबर सुरक्षा और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी एवं कुशल बनाया जाएगा। नवाचार, शोध और विकास के लिए केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए इनक्यूबेटर, एक्सेलेरेटर और वेंचर कैपिटल नेटवर्क का भी प्रबंध किया जाएगा। स्थानीय युवा वर्ग को नई नौकरियां, प्रशिक्षण व विकास के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे, साथ ही विदेशी निवेशकों का आकर्षण भी बढ़ेगा।

तैयार की जाएगी डीपीआर

मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी के अनुसार, तकनीकी बिड के बाद डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी। इसके बाद इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत का आकलन कर आवश्यक स्वीकृतियां ली जाएंगी। फिर उपयुक्त कंपनियों का चयन करके इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण के लिए टेंडर जारी होगा। प्लाट्स का वितरण भी इसी क्रम में किया जाएगा। उधर, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ इनफार्मेशन टेक्नोलाजी (ट्रिपल आइटी) के निदेशक प्रो. अरुण मोहन शैरी का कहना है कि एआइ सिटी से एआई आधारित स्टार्टअप्स को नया प्रोत्साहन मिलेगा। शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य क्षेत्रों में एआइ की उपयोगिता दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। इस परियोजना के माध्यम से विश्व की प्रमुख एआइ कंपनियों को भी लखनऊ में आमंत्रित किया जाएगा, जिससे शहर का तकनीकी वातावरण और निवेश के अवसर और भी बढ़ेंगे।

अवनीश अवस्थी